RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष - 23 | अंक - 03 | मुंबई, 05 जनवरी, 2024 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

खार पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक करते हैं कानून से खिलवाड़?

अवैध पार्लर मालिक को देते बोर्ड बदलकर शिकायतकर्ता को गुमराह करने का मंत्र

संवाददाता

मुंबईः अपराध किसी भी तरीके का क्यों ना हो, उसे नियत्रण में करना और उस पर प्रतिबंध लगाना यह पुलिस अधिकारियों के हाथ में है, लेकिन कुछ गैर कानूनी काम पुलिस खुद अपने ही पुलिस थाने के हद में करने की अनुमति देती है जिससे उन्हें हर माह ऊपरी कमाई हो सके। शिकायतकर्ता अपनी शिकायत को सही साबित करने में अपनी चप्पल घिस देते है, लेकिन पुलिस उस शिकायतकर्ता पर इतना दिमागी अत्याचार करती है जिससे शिकायतकर्ता खुद थक कर पीछे हट जाते है।

यह बात सभी पुलिस थाने के अधिकारियों पर आधारित है । उनमें से एक पुलिस थाना है जो मुंबई शहर में खार पुलिस थाने के नाम से चर्चित है। इस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्री मोहन माने जी है। इनके खार पुलिस थाने के हद में आज लगभग दो दर्जन से ज्यादा मसाज पार्लर (स्पा) चल रहे है` यह स्पा सिर्फ नाम के लिये होते है, इन २स्त्रं में मसाज की समाग्री दिखावे के लिये होती है। इन सभी मसाज पार्लर, स्पा में ९० प्रतिशत देह व्यपार का धंधा स्पा के मालिको द्वारा चलाया जाता है। खार पुलिस थाने में इस तरह के अवैध स्पा के खिलाफ लोगो ने संबंधित अधिकारियो व विभागों से

श्री कृष्णकान्त उपाध्याय
(परिमंडल क्र ९ के पुलिस उपायुक्त)

कई बार शिकायत की है, लेकिन खार पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मोहन माने जी में इतनी चतुराई है। उन्हें पता है कि शिकायत को रफा दफा कैसे करना है। इसी मामले में कई लोग दिनांक ३/१२/२०२३ के रोज परिमंडल क्र ९ के पुलिस उपायुक्त श्री कृष्णकान्त उपाध्याय से मिल कर अपनी शिकायत की और शिकायतकर्ता ने उपाध्याय जी से यह स्पस्ट कहा की आप हमारी शिकायत खार पुलिस थाने में ना देकर किसी और पुलिस थाने के माध्यम से कराये यह बात उपाध्याय जी को अच्छी लगी और उन्होंने दुसरे पुलिस थाने को अश्लील मसाज पार्लर (स्पा) पर कानूनी कारवाई करने की अनुमति दी। दिनांक ४/१२/२०२३ के रोज रात लगभग आठ बजे स्पा पर छापेमारी की। छापेमारी में पुलिस अधिकारियों को बहुत बड़ी कामयाबी के साथ स्पा में कई वस्तु आपत्तिजनक स्थिति में पाई गई। इसी के आधार पर पुलिस ने पिटा एक्ट के तहत स्पा पर सख्त कानूनी कारवाई करके खार पुलिस को सौप दिया।

इस कानूनी कारवाई से यह साबित होता है कि खार पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कितने कर्त्तव्यनिष्ठ है, जिन्हें अपने कार्य क्षेत्र में चलने वाले अवैध व्यवसाय दिखाई नही देते? दिनांक ३/११/२०२३ के रोज परिसर के एक नागरिक ने खार

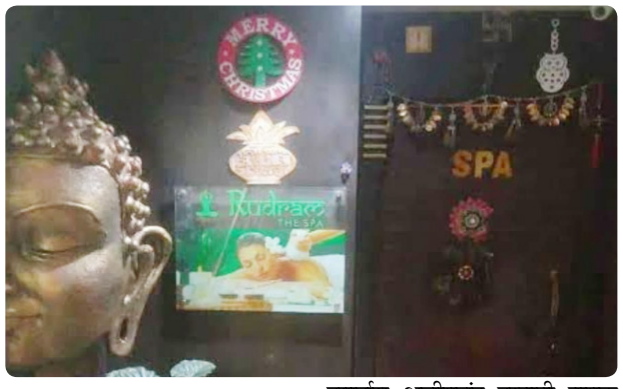

पुलिस थाने के हद में मल्टी लिंक हॉउस १०१ रोड क्र ३, कृष्ण नगर, खार रेल्वे स्टेशन के सामने, खार (प.) इस जगह पर चल रहे रुद्रम नामक स्पा में एक विडिओ रिकॉर्डिंग की गई। उस विडिओ रिकॉर्डिंग में यह साफ दिखाई दे रहा है कि स्पा में किस तरह से मसाज के नाम पर देह बिक्री का धंधा मालिक श्री दुगार्दास अलीमचंद द्स्तानी नामक व्यक्ति कई साल से खुद अपनी ही मलिकाना जगह पर रुद्रम नाम से मसाज पार्लर (स्पा) चला रहा है` दिखावे और अपने बचाव के लिये इन्होने किसी एक अज्ञात व्यक्ति के नाम से करारनाम बनाया हुआ है। दिनांक ७/११/२०२३ के रोज एक लिखित पत्र के माध्यम से खार पुलिस

श्री मोहन माने
(खार पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक)

अवैध धंधे वालों को संरक्षण देने का लेते है मोटा नजराना

थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मोहन माने को रुद्रम स्पा के इस विषय में पूरी जानकारी दी थी। दिनांक ३/१२/२०२३ के रोज खार पुलिस थाने द्वारा एक पत्र भेज कर शिकायतकर्ता को पुलिस निरीक्षक पवार से मिलने को कहा गया।

दिनांक ५/१२/२०२३ के रोज पुलिस निरीक्षक पवार से मिलने के बाद उन्होंने शिकायतकर्ता से एक जवाब दर्ज किया और यह आश्वासन दिया कि कल ६ दिसम्बर है, हम परसों इस स्पा पर कानूनी कारवाई करेंगे। इसके बाद दिनांक २३/१२/२०२३ के रोज पुलिस निरीक्षक पवार शिकायतकर्ता से यह कहते है कि आपने अपनी शिकायत में रुद्रम नाम लिखा लेकिन यहां तो रुद्रम नाम नही है यहां बेन्जमस थाई स्पा एंड सलोन है और आपने जिसका नाम लिखा है वह यह स्पा छोड़कर चला गया है। इस तरह से शिकायतकर्ता को गुमराह करने का पूरा षडयंत्र किया जा रहा है। पुलिस निरीक्षक पवार के कहने के हिसाब से जिस व्यक्ति ने विडिओ बनाई है वह झूठी विडिओ है।

हम अपने इस समाचार पत्र के माध्यम से मुंबई पुलिस आयुक्त, सह पुलिस आयुक्त गुन्हे, सह पुलिस आयुक्त का.व.सु., अप्पर पुलिस आयुक्त पश्चिम प्रादेशिक विभाग, पुलिस उपायुक्त परिमंडल क्र ९ इन सभी वरिष्ठ अधिकारी से यह आग्राह करते है कि खार पुलिस थाने के हद में चल रहे मसाज पर्लोर (स्पा) में देह व्यपार के धंधे पर तत्काल कानूनी कारवाई करके इसे बंद कराये और खार पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मोहन माने से यह जरुर जवाब लिया जाये कि उन्होंने शिकायत मिलने पर इस अवैध स्पा पर कानूनी कारवाई क्यों नही की? और शिकायतकर्ता को क्यों गुमराह किया गया?

महाराष्ट्र कैबिनेट का बड़ा फैसला, नवंबर 2005 के बाद सेवा में आने वाले कर्मियों को ओपीएस के लिए दी मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे की सरकार ने पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस को मंजूरी दे दी है. वैसे राज्य कर्मचारी जिनकी नौकरी साल 2005 के बाद हुई है, वो इस विकल्प को चुन सकते हैं. दरअसल, कुछ दिनों पहले पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग के साथ सरकारी और अर्ध सरकारी कर्मचारी हड़ताल पर चले गए थे. अब सरकार ने ये फैसला ले लिया है. दरअसल, इस

साल राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं. लोकसभा चुनाव के भी कुछ ही दिन बाकी रह गए हैं. ऐसे में राज्य सरकार किसी तरह की नाराजगी से दूर रहना चाहती है.

महाराष्ट्र स्टेट एम्प्लाइज कॉन्फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी विश्वास काटकर ने कहा कि सरकार के इस फैसले से राज्य के करीब 26000 कर्मचारियों को लाभ मिलेगा, जिनकी नौकरी साल 2005 के बाद लगी लेकिन ज्वाइनिंग लेटर बाद में मिला. ये फायदा सिर्फ इन्हीं कर्मचारियों को होगा. लगभग 9.5 लाख राज्य कर्मचारी हैं जो नवंबर 2005 से पहले सेवा में शामिल हुए थे और वे पहले से ही ओपीएस का लाभ उठा रहे हैं. ओपीएस के तहत, एक सरकारी कर्मचारी को उसके अंतिम वेतन के 50 फीसदी के बराबर मासिक पेंशन मिलता है. बता दें कि साल 2005 में पुरानी पेंशन योजना को बंद कर दिया गया था.

भाजपा जिला सह-संयोजक - कानूनी सेल सलाहकार अश्विन भागवत को नियुक्त किया गया.

संपादकीय

बेपरवाह और लापरवाह

इमारतों की किफायत में सुशासन की टोह लेती सुक्खू सरकार ने शिमला के छह कार्यालयों को टूटीकंडी कॉम्पलेक्स में शिफ्ट कर दिया। ये कार्यालय किराए के भवनों में चल रहे थे। पूरे प्रदेश में सरकारी कार्यालयों के नीचे दबी जमीन या निजी भूमि में बसे कार्यालयों की जमीर में कुछ तो किफायत हो। दरअसल हिमाचल में सरकारी इमारतों की अपनी होड़ बेपरवाह और लापरवाह है और इसलिए बजट की मुद्रा में अनावश्यक विस्तार ने अपना मूल्यांकन ही नहीं किया। एक नीति के तहत अगर तेजी से खुलते कार्यालय निजी निवेश की संस्तुति में परवान चढ़ते, तो भी सरकार पैसा बचाने के साथ-साथ रोजगार दे सकती थी। हिमाचल में सरकारी कार्यालयों ने अपनी हेकड़ी में खजाने का दुरुपयोग ही किया और यह भी इसलिए कि हर विभाग अब निर्माण की मशीनरी है। इससे सार्वजनिक भूमि का दुरुपयोग और अधिकारियों के निरंकुश इरादों से धन को व्यर्थ किया जाने लगा है। ऐसे में समूचे प्रदेश की संपत्तियों का डाटा बनाकर इनके सही इस्तेमाल, रखरखाव व विस्तार का सांचा बनाया जाए, तो अनावश्यक खर्च से बचा जा सकता है। इसके लिए पब्लिक एस्टेट डिवेलपमेंट अथारिटी का गठन करते हुए इसके तहत विभागीय संपत्तियों को एक ही एजेंसी के प्रबंधन में लाना चाहिए। सार्वजनिक एस्टेट विकास प्राधिकरण के अंतगर्त सरकारी कार्यालयों को स्थान तथा कर्मचारियों की आवासीय व्यवस्था का दारोमदार रहेगा, तो एक बड़ी धनराशि के तहत सार्वजनिक संपत्तियों का निर्माण, रखरखाव तथा भविष्य की योजनाओं का श्रीगणेश होगा, वरना हर विभाग अपने दफ्तरों की चमक और साहबों की कोठियों में लगभग हर वर्ष धन का अपव्यय कर रहा है।

इतना ही नहीं अब समय आ गया है जब सरकार को कुछ शहरों को कलस्टर के रूप में देखते हुए किसी मध्य स्थल पर कर्मचारी नगर बसाने चाहिएं ताकि नए कार्यालयों को उपयुक्त भवन तथा कर्मचारियों को आवास मिल सकें। ये कर्मचारी नगर सरकारी धन से नहीं, अपितु निजी निवेश से आगे बढ़ाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए भविष्य में सोलन-शिमला के बीच वाकनाघाट या धर्मशाला-पालमपुर के बीच चामुंडा के आसपास निजी निवेश से कर्मचारी नगर बसाए जाएं, तो ये सरकारी धन की बचत तथा नए रोजगार के साधन उत्पन्न करेंगे। ये कर्मचारी नगरों में भविष्य के दफ्तर तथा वर्तमान में कर्मचारियों की आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ शैक्षणिक, चिकित्सा संस्थानों के अलावा आधुनिक बाजारों के जरिए नए व्यापार व रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, दूसरी ओर सार्वजनिक धन की बचत भी होगी। कर्मचारियों को ग्रामीण स्तर तक आवासीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए युवा बेरोजगारों को एक योजना के साथ जोड़ा जा सकता है। सरकार की गारंटी के तहत बेरोजगारों को कर्मचारियों को आवास तथा विभागीय भवनों के निर्माण में प्रेरित करके उन्हें एक नियमित आमदनी दे कर भी प्रदेश बचत कर सकता है। भविष्य की रूपरेखा में हिमाचल का प्रशासनिक ढांचा भी बदलाव चाहता है। बहुत पहले से अगर मत्स्य विभाग का निदेशालय बिलासपुर से, पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड हमीरपुर या स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला से चल सकते हैं, तो इस दिशा में शिमला से कुछ अन्य कार्यालय भी स्थानांतरित किए जा सकते हैं।

भारत को चाहे जितनी गाली दें... इस हिंदू का सुबह -शाम अदब से नाम लेते हैं पाकिस्तानी मुसलमान

1947 में भारत आजाद तो हुआ लेकिन देश के दो टुकड़े हो गए. पाकिस्तान नाम का अलग मुल्क बना. आज भारत-पाकिस्तान के बंटवारे को 75 साल बीत गए हैं, लेकिन अभी भी कुछ ऐसी चीजें, ऐसी विरासत और शख्सियत हैं, जिस पर दोनों देशों को गर्व है. इन्हीं में से एक हैं सर गंगाराम. मशहूर समाज सेवी और इंजीनियर सर गंगाराम की जितनी इज्जत भारत में है, उसके कहीं ज्यादा पाकिस्तान में. बंटवारे के बाद सर गंगाराम का परिवार भले लाहौर से दिल्ली आ गया, लेकिन पाकिस्तानी मुसलमान आज भी हर दिन तहजीब और अदब से उनका नाम लेते हैं.

कौन थे सर गंगाराम?

गंगाराम का जन्म साल 1851 में पाकिस्तान के मंगतवाला में हुआ था, जो लाहौर से करीब 65 किलोमीटर दूर है. हालांकि गंगाराम का परिवार हमेशा से पाकिस्तान का बाशिंदा नहीं था, बल्कि उनके पिता दौलत राम उत्तर प्रदेश से वहां पहुंचे थे. वह पुलिस विभाग में जूनियर इंस्पेक्टर की नौकरी किया करते थे. चूंकि पोस्टिंग वहीं मिली, तो परिवार वहीं रहने लगा.

कुछ वक्त बाद गंगाराम का परिवार पंजाब के अमृतसर आ गया और यहीं सरकारी स्कूल से उनकी शुरूआती पढ़ाई लिखाई हुई. बाद में मैट्रिक की पढ़ाई करने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज चले गए. मैट्रिक के बाद नौकरी की तलाश शुरू की, लेकिन जिंदगी में एक मोड़ आना बाकी था.

गंगाराम नौकरी की तलाश कर रहे थे. उनके एक चाचा शहर में रहा करते थे. परिवार ने कहा कि वो चाचा के पास शहर चले जाएं. वहां नौकरी मिलने में आसानी

होगी. गंगाराम जब अपने चाचा से मिलने उनके ऑफिस पहुंचे तो पता लगा कि वह कहीं बाहर गए हैं. गंगाराम दफ्तर में ही बैठकर इंतजार करने लगे और इंजीनियर की कुर्सी पर बैठ गए. थोड़ी देर में चपरासी आया और गंगाराम को डपटते हुए कहा कि ह्यतुमने कुर्सी पर बैठने की जुर्रत कैसे की? यह हमारे साहब की कुर्सी हैड्ढह्व

इंजीनियरिंग नहीं करना चाहते थे परङ्ग

गंगाराम को इस अपमान से बहुत झटका लगा और लगभग रो पड़े. उस दिन उन्होंने नौकरी का ख्याल त्याग दिया और हर हाल में इंजीनियर बनने की कसम खा ली. इसके बाद उन्होंने उत्तराखंड के मशहूर थॉमसन इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला ले लिया. इंजीनीयरिंग के बाद लाहौर के मशहूर इंजीनियर राय बहादुर कन्हैया लाल के यहां नौकरी शुरू कर दी. थोड़े दिनों में ही लाहौर में गंगाराम का नाम मशहूर हो गया और देखते-देखते शहर के मशहूर इंजीनियर में शुमार हो गया.

बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक गंगाराम ने लाहौर म्यूजियम से लेकर द एचिसन कॉलेज, मेयो स्कूल ऑफ आर्ट्स, लाहौर के मुख्य डाकघर का न सिर्फ नक्शा तैयार किया, बल्कि निर्माण में आर्थिक मदद भी की. तमाम इतिहासकार सर गंगाराम को आधुनिक लाहौर का जनक भी करार देते हैं.

विधवा विवाह संघ की नींव

गंगाराम का मन जितना इंजीनियरिंग में रमता था, उतना ही समाज सेवा के लिए. खासकर विधवा महिलाओं के हक के लिए जी-तोड़ हेनत कर रहे थे. साल 1917 में उन्होंने अंबाला में आयोजित हिंदुओं की एक बैठक में विधवाओं के पुनर्विवाह का प्रस्ताव पास करने की कोशिश की लेकिन कामयाब नहीं हुए. इसके बाद उन्होंने ह्वविधवा विवाह संघह्व की स्थापना की और अपनी जेब से 2000 खर्च किए. जो उस जमाने में बहुत बड़ी रकम थी.

गंगाराम की संस्था विधवा महिलाओं के पुनर्विवाह से लेकर इसके प्रति जागरूकता फैलाने का काम करने लगी. 1921 में ढाई लाख रुपए की लागत से हिंदू विधवा महिलाओं के लिए एक आश्रम बनवाया. इसमें दो स्कूल और एक हॉस्टल भी था. यहां महिलाओं को तमाम तरह के प्रशिक्षण दिए जाते थे, ताकि वो अपना गुजर बसर कर सके.

गंगाराम और बड़े पैमाने पर लोगों की मदद करना चाहते थे. इसी क्रम में साल 1923 में गंगाराम ट्रस्ट की स्थापना की. इस ट्रस्ट ने लाहौर शहर के बीचो-बीच सर गंगाराम मुफ्त हॉस्पिटल की नींव रखी. आगे चलकर यह मॉडर्न व हाइटेक हॉस्पिटल में तब्दील हो गया. बाद में दिल्ली में भी इसी नाम से एक अस्पताल बना. आज दिल्ली का सर गंगा राम हॉस्पिटल जितना मशहूर है, उतना ही लाहौर का.

कैसे मिली, किसने दी सर की उपाधि?गंगाराम के सामाजिक कार्यों और लोगों की मदद के जज्बे से ब्रिटिश हुकूमत इतनी प्रभावित हुई कि उन्हें ह्वसरह्व की उपाधि दी. साल 1927 में गंगाराम का निधन हो गया. उस वक्त वह लंदन में थे. अंतिम संस्कार के बाद उनके पार्थिव शरीर की राख के एक हिस्से को लाहौर लाया गया और यहां अपाहिज आश्रम के बगल में दफनाया गया, जिसे उन्होंने ही बनवाया था.

गोधरा हिंसा के बाद कब्र खोदकर निकाली गई थीं 28 लाशें... हाई कोर्ट ने कहा- तीस्ता सीतलवाड़ का रिकॉर्ड रहम के लायक नहीं

अहमदाबादः सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ को गुजरात हाईकोर्ट से किसी तरह की राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। गुजरात हाईकोर्ट ने सोमवार को संकेत दिया कि तीस्ता सीतलवाड़ के रिकॉर्ड को देखते हुए वह पंडरवाड़ा सामूहिक कब्र खुदाई मामले में कोई राहत देने के मूड में नहीं है। दरअसल गोधरा हिंसा के बाद दिसंबर 2005 में पंचमहल जिले के पंडरवाड़ा के पास एक सामूहिक दफन स्थल से कब्र खोदने और 28 शवों को निकालने के मामले में सीतलवाड़ का नाम है। 2011 में दर्ज एफआईआर में अपना नाम शामिल होने के बाद सीतलवाड ने 2017 में अदालत में एक याचिका दायर की थी।

2006 में गुजरात पुलिस ने झूठे सबूत बनाने, सबूत नष्ट करने, कब्रगाह पर अतिक्रमण करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में तीस्ता सीतलवाड़ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। सोमवार को जब मामला सुनवाई के लिए आया, तो जस्टिस संदीप भट्ट ने सीतलवाड़ के वकील योगेश

रवानी से कहा कि रिकॉर्ड देखने के बाद, मैं इच्छुक नहीं हूं। आपको (अदालत को) संतुष्ट करना होगा। वकील ने कहा कि यह आधिपत्य का विशेषाधिकार है। हम अदालत को समझाने की कोशिश करेंगे क्योंकि कोई अपराध नहीं बनता है। आखिरकार यह राजनीतिक उत्पीड़न है। इस पर जज ने जवाब दिया कि यह आजकल इस्तेमाल किया जाने वाला एक बहुत व्यापक शब्द है। मामले की सुनवाई 9 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लूनावाड़ा नगर पालिका ने सीतलवाड़ के एनजीओ सिटीजन फॉर जस्टिस एंड पीस के पूर्व कोऑर्डिनेटर रईस खान सहित सात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। दंगा पीड़ितों के इन आरोपों के बाद कि उनके रिश्तेदारों को शव परीक्षण की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना दफनाया गया था। हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच का आदेश दिया। दूसरी ओर राज्य सरकार ने दावा किया कि उस स्थान को कब्रिस्तान के रूप में उचित रूप से अधिसूचित करने के बाद ही दफन किया गया था। खान और सीतलवाड़ के अलग होने के बाद सीतलवाड़ का नाम खान के बयान के आधार पर शामिल किया गया था। खान ने बताया था कि शवों को निकालने का काम उनके आदेश पर हुआ था।

'नेहरू नहीं पटेल की नीति पर चलेगी मोदी सरकार...'

चीन के लिए यथार्थवाद की नीति पर काम कर रही मोदी सरकार: एस जयशंकर

नई दिल्ली : सीमा विवाद की वजह से पिछले कुछ सालों से भारत और चीन के रिश्ते में खटास पैदा हो गई है। पिछले कुछ सालों में लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में दोनों देशों के सैनिक कई बार आमने-सामने आ चुके हैं। वहीं, हिंद महासागर में चीन अपनी विस्तारवादी नीति पर काम कर रहा है। हालांकि, मोदी सरकार द्वारा लगातार 'ड्रैगन' को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-चीन के रिश्तों पर विस्तार से चर्चा की। एस जयशंकर ने कहा,''शुरूआत से ही जवाहर लाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल के बीच चीन को कैसे जवाब दिया जाए इस मुद्दे पर तीव्र मतभेद रहा है। मोदी सरकार चीन से निपटने में सरदार पटेल द्वारा शुरू की गई यथार्थवाद की नीति के अनुरूप काम कर रही है।

हमने ऐसे रिश्ते बनाने की कोशिश की है जो आपसी संबंधों पर आधारित हों। जब तक उस पारस्परिकता को मान्यता नहीं दी जाती, इस रिश्ते का आगे बढ़ना मुश्किल होगा।'' जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि भारत-चीन संबंधों का विकास सम्मान, संवेदनशीलता और हित के तीन पारस्परिक तत्वों द्वारा निर्देशित होता है। चीन के साथ माइंड गेम खेलने के बारे में विदेश मंत्री ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि हम हमेशा हारे हैं, लेकिन पहले ऐसी कई घटनाएं हुईं, जिन्हें आज समझना बहुत मुश्किल है।

चीन के प्रति नेहरू के दृष्टिकोण पर विदेश मंत्री ने उठाए सवाल

भारत के पहले गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री सरदार पटेल और पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दृष्टिकोण में अंतर बताते हुए जयशंकर ने दोनों दिग्गजों के बीच मतभेद पर जोर डालते हुए कहा,'' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सीट को लेकर यह मेरा मामला नहीं है कि हमें अनिवार्य रूप से सीट लेनी चाहिए थी, यह एक अलग बहस है, लेकिन यह कहना कि हमें सीट को हासिल करने का मौका पहले चीन को जाने देना चाहिए। चीन का हित पहले आना चाहिए, यह एक बहुत ही अजीब बयान है।'' विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आगे कहा,''ताली बजाने के लिए दो हाथों की जरूरत होती है। मैं इस मुद्दे को इस तरह से प्रस्तुत करता हूं कि यदि आप हमारी विदेश नीति के पिछले 75 से अधिक वर्षों को देखें, तो उनमें चीन के बारे में यथार्थवाद कम और आदर्शवाद, गैर-यथार्थवाद दिखा।''

'घंटाघर' पर लगा टिकर 6 महीने से है बंद !

मुंबईः घड़ी पर चलने वाले मुंबईकरों को कभी बंद घड़ी नहीं दिखेगी। लेकिन दक्षिण मुंबई में महात्मा ज्योतिबा फुले मंडई (क्रॉफर्ड मार्केट) के सामने का 'क्लॉक टॉवर' चिन्ह छह महीने के लिए बंद कर दिया गया है। इसलिए, व्यापारी, दुकानदार, विक्रेता और फेरीवाले मांग कर रहे हैं कि समय की याद दिलाने वाला पुराना साथी फिर से उनके साथ हो। फुले मंडई देश-विदेश से मुंबई घूमने आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र माना जाता है। क्रॉफर्ड मार्केट की स्थापना वर्ष 1869 में ब्रिटिश अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए की गई थी। एक प्राचीन विरासत संरचना, इस मंडी का नाम तत्कालीन नगर आयुक्त आर्थर क्रॉफर्ड के नाम पर रखा गया था।

बाइक तेज चलाने पर टोका तो चचेरे भाइयों ने युवक को मार डाला, चाचा भी आरोपी...

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। पालघर के तलसारी में एक युवक की उसके ही परिवार के सदस्यों ने मिलकर बेरहमी से हत्या कर दी। दिल दहला देने वाली ये घटना तलसारी के जरी इलाके में घटी है। आरोप है कि तीन लोगों ने 31 साल के युवक को इसलिए मार डाला, क्योंकि उसने तेज रफ्तार बाइक चलाने का विरोध किया था। दो चचेरे भाईयों और चाचा ने मिलकर युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी है। पालघर के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को तलसारी के जरी इलाके में 30 वर्षीय शख्स की हत्या कर दी गयी। इस मामले में मृतक के तीन रिश्तेदारों को हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच तलसारी पुलिस कर रही है। शुरूआती जांच में पता चला कि वारदात उस वक्त हुई जब पीड़ित

अपने 23 और 31 साल के दो चचेरे भाईयों के साथ बाइक पर पीछे बैठ कर कहीं जा रहा था। इस बीच उनमें तेज रफ्तार में बाइक चलाने को लेकर झगड़ा हो गया। अधिकारी ने बताया कि पूरा विवाद तेज गति से दोपहिया वाहन चलाने पर सवाल उठाने को लेकर हुआ। पीड़ित ने बाइक की तेज गति को लेकर सवाल किया, जिससे झगड़ा शुरू हो गया। कथित तौर पर बाद में चचेरे भाइयों और 53 वर्षीय चाचा ने युवक पर धारदार हथियार से वार किया। गंभीर जख्म होने से पीड़ित की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा।

मुंबई/ आरे जंगल में मिली तेंदुए की खाल की फोरेंसिक जांच शुरू

मुंबईः वन विभाग के अधिकारियों ने आरे कॉलोनी में मिली तेंदुए की खाल और पंजे की जांच शुरू कर दी है. इस बीच, अवशेषों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है और यह पता चला है कि आरे कॉलोनी में पाए गए तेंदुए की खाल में दाहिनी ओर एक छेद है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि तेंदुए को दूर से गोली मारी गई होगी। आरे बस्ती में गणेश मंदिर तालाब के पास कपड़े में लिपटी तेंदुए की खाल और नाखूनों के हिस्से पाए गए। इस बीच, प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत घटना की सूचना आरे कॉलोनी पुलिस स्टेशन को दी। इसके अनुसार वन विभाग आगे की कार्रवाई में जुट गया. इस बीच, ठाणे वन विभाग (क्षेत्रीय) के उप वन संरक्षक संतोष शांते ने कहा कि हमने पहले ही जांच शुरू कर दी है। तेंदुए की खाल को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पहली नजर में ऐसा लगता है कि त्वचा काफी पुरानी है. हम इस घटना की हर पहलू से जांच कर रहे हैं. वन्यजीव शोधकर्ता तेंदुए के नमूनों का अध्ययन कर रहे हैं।

ईंधन ट्रकों के शहर में प्रवेश नहीं करने के डर से मोटर चालकों की वसई विरार में पेट्रोल पंप पर लग गई कतार

वसईः नए मोटर व्हीकल एक्ट के खिलाफ ट्रक ड्राइवरों ने विरोध शुरू कर दिया है. इसका असर अब हर जगह है. चूंकि ट्रक ड्राइवर हड़ताल पर हैं, इसलिए वसई विरार में पेट्रोल पंप पर वाहन चालकों की लंबी कतारें लग गईं, उन्हें डर था कि ईंधन ट्रक शहर में नहीं आएंगे। हाल ही में, केंद्र सरकार ने एक नया मोटर वाहन अधिनियम पेश किया है। इस नए कानून के मुताबिक दस साल की सजा और लाखों रुपये के जुमार्ने का प्रावधान है. साथ ही यह कानून अब गैर जमानती है. ट्रक ड्राइवरों ने इस सख्त कानून का विरोध

किया है. मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर हिंसक प्रदर्शन हुआ. कोई समाधान नहीं निकलने के कारण ट्रक ड्राइवरों का विरोध प्रदर्शन अभी भी जारी है. इस विरोध का असर माल ढुलाई समेत अन्य परिवहन पर पड़ने लगा है. इस हड़ताल के कारण शहर में ईंधन ट्रक आएंगे या नहीं, इस डर से नए साल के पहले दिन शाम को वसई विरार के पेट्रोल पंप पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी. .वसई के स्टेला स्थित पेट्रोल पंप पर वाहन चालकों की लंबी कतारें लगी थीं. वे कतारें सीधे सड़क पर आ जाने के कारण यातायात बाधित हो गया. इस कारण पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भराते-भरते ट्रैफिक पुलिस के पसीने छूट गये.

मशहूर फिल्म अभिनेता राकेश बेदी से साइबर ठगी...

मुंबईः हिंदी टीवी सीरियल और फिल्म राकेश बेदी का फ्लैट खरीदने के नाम पर एक जालसाज ने 85 हजार रुपये की साइबर ठगी की है. इस संबंध में मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी रोकथाम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। बेदी के पास पुणे के कोंढवा इलाके में दो कमरे का फ्लैट है। चूंकि वह इसे बेचना चाहता था, इसलिए उसने फ्लैट खरीदने और बेचने के लिए एक वेबसाइट पर इसका विज्ञापन दिया था। 25 दिसंबर को उनके पास आदित्य कुमार नाम के शख्स का फोन आया। उस व्यक्ति ने बेदी से फ्लैट की और तस्वीरें मांगी, यह कहते हुए कि वह भारतीय सेना में काम करता है और उसे संबंधित फ्लैट पसंद है। जब उसने और तस्वीरें भेजीं तो अगले दिन एक और फोन आया। उसमें मेरे वरिष्ठ अधिकारियों को फ्लैट पसंद आया और उन्होंने फ्लैट की कीमत पूछी. बेदी ने जब उन्हें 87 लाख रुपये बताए तो वह शख्स फ्लैट खरीदने के लिए राजी हो गया।

सोशल मीडिया पर महिलाओं से दोस्ती कर उनकी अश्लील तस्वीरें उनके पतियों को भेजने की धमकी देकर पैसे ऐंठने वाला शख्स गिरफ्तार

मुंबईः सोशल मीडिया पर महिलाओं से दोस्ती कर उनकी अश्लील तस्वीरें उनके पतियों को भेजने की धमकी देकर पैसे ऐंठने वाले एक आरोपी को देवनार पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार किया है. आरोपी का नाम असलम खान (25) है और पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है. गोवंडी इलाके में रहने वाली एक महिला को कुछ महीने पहले एक अनजान मोबाइल नंबर से मैसेज आया।

महिला ने उसे उत्तर दिया. इसके बाद दोनों में दोस्ती हो गई. इसके बाद आरोपी ने महिला को उसके मोबाइल

फोन पर वीडियो कॉल किया और उसकी कुछ अश्लील तस्वीरें बना लीं। इसके बाद कुछ ही दिनों में आरोपी ने महिला को धमकाना शुरू कर दिया. आरोपियों ने महिला से 50 हजार रुपये की मांग की. उसने पैसे न देने पर तस्वीरें सोशल मीडिया पर और उसके पति को भी पोस्ट करने की धमकी दी।

महिला ने देवनार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस ने आरोपी के मोबाइल नंबर से उसका पता ट्रेस किया। लेकिन आरोपी गुजरात, तमिलनाडु और राजस्थान राज्यों में घूमने के कारण पुलिस की पकड़ में नहीं आया. देवनार पुलिस को आरोपी के बारे में राजस्थान के भीलवाड़ा में जानकारी मिली. तदनुसार, पुलिस ने जाल बिछाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को शक है कि आरोपी ने इसी तरह कई महिलाओं से पैसे ऐंठे हैं. पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है.

भिवंडी में डीप क्लीन ड्राइव के लिए सड़क पर उतरे मनपा आयुक्त सहित अधिकारी

भिवंडी : भिवंडी में डीप क्लीन ड्राइव के लिए सड़क पर उतरे मनपा आयुक्त सहित अधिकारीदेश सहित राज्यों में महा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत नये वर्ष के पहले दिन भिवंडी पालिका परिसीमा अंतर्गत पांचों प्रभाग समिति में युद्ध स्तर पर महा स्वच्छता अभियान यानी डीप क्लीन ड्राइव चलाया गया। इस अभियान का शुभारंभ पालिका प्रशासक एवं आयुक्त अजय वैद्य ने आज सोमवार को भिवंडी बस डिपों से नागांव सड़क पर झाड़ू लगाकर किया है। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, संजय हिरवाडे, उपायुक्त

दीपक जिंझाड, प्रणाली घोंगे के आलावा सभी विभाग प्रमुख अधिकारी, इंजिनियर,कर्मचारी व स्वच्छता कर्मचारियों ने हाथों में झाड़ू लेकर सहभागी हुए और सड़क पर झाड़ू भी लगाया। यही नहीं सड़क के आलावा डिवाइड को पानी से धोया गया। पालिका आयुक्त वैद्य ने कहा कि यह सफाई अभियान लगातार जारी रहेगा और सफाई कर्मियों सहित सभी कर्मचारी इसमें भाग ले रहे है वहीं नागरिकों से भी अनुरोध है कि वे शहर की सफाई के लिए सहभागी बनें और घरों से निकलने वाले कचरों का निर्धारित समय के भीतर सही स्थान पर डालने की अपील की है।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 जनवरी, 2024

बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले ट्रक चालक को २० साल की जेल

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले की एक अदालत ने सात साल की एक बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में दोषी पाए गए ट्रक चालक को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है. यह मामला पांच साल पुराना है. वसई के जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एस वी खोंगल ने शनिवार को अपने आदेश में दोषी ट्रक चालक (38) पर 5,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया. विशेष लोक अभियोजक जयप्रकाश पाटिल ने अदालत को बताया कि ट्रक चालक और बच्ची का परिवार वसई में पड़ोसी थे. पाटिल ने अदालत को बताया कि ट्रक चालक 13 मई, 2018 को टीवी दिखाने के बहाने बच्ची और उसके भाई को अपने घर लाया. इसके बाद उसने उसके भाई को बाहर भेज दिया और लड़की का यौन उत्पीड़न किया.

न्यायाधीश ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने ट्रक चालक के खिलाफ सभी आरोपों को सफलतापूर्वक साबित कर दिया है और उसे यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दोषी ठहराया है. अदालत ने ट्रक चालक को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई, साथ ही यह भी कहा कि बच्ची के परिवार को इस दौरान बहुत कष्ट सहना पड़ा.

सिडको पर जब्ती की कार्रवाई?

नवी मुंबईः जुलाई 2023 में वाघिवली में 152 एकड़ जमीन के अधिग्रहण के लिए मुंडाडा परिवार को 722 करोड़ का अतिरिक्त मुआवजा देने के अलीबाग कोर्ट के फैसले को सिडको ने खूब सराहा है। पांच महीने पहले अलीबाग कोर्ट के फैसले को सिडको द्वारा लागू नहीं करने से अलीबाग कोर्ट में दायर एक याचिका के कारण सिडको के खिलाफ जब्ती की कार्रवाई का संकट आ गया है। मुंडाडा परिवार की इस अर्जी पर कल (1) को अलीबाग कोर्ट में सिडको के खिलाफ जब्ती वारंट पर सुनवाई होगी. चूंकि सिडको के कानूनी विभाग ने 8 नवंबर, 2023 को अलीबाग अदालत द्वारा जारी किए गए गार्निशी नोटिस पर टिप्पणी करने की जहमत नहीं उठाई, इसलिए अब

सिडको को अदालत द्वारा जब्ती की कार्रवाई करने का आदेश दिए जाने की उम्मीद है। अंततः, अधीक्षक, सिविल कोर्ट, वरिष्ठ स्तर, अलीबाग ने 8 नवंबर को सिडको प्रबंधन को एक गार्निशी नोटिस जारी किया और उन्हें बढ़ी हुई मुआवजा राशि की वसूली के लिए 20 दिसंबर 2023 को व्यक्तिगत रूप से या एक नामित वकील के माध्यम से अलीबाग कोर्ट में पेश होने के लिए कहा। अलीबाग कोर्ट ने दी मंजूरी. तदनुसार, सिडको की ओर से पेश हुए वकील पुष्कर मोकल और योगेन्द्र पेंडसे ने सिडको का बयान पेश करने के लिए समय मांगा।

विधि विभाग की उदासीनता

20 दिसंबर को, यदि उक्त के वकीलों ने अलीबाग अदालत के समक्ष लिखित रूप से उल्लेख किया होता कि सिडको ने मुंडाडा के वाघीवली भूमि अधिग्रहण मामले में फैसले को रद्द करने के लिए उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है, तो उक्त का पक्ष प्रबल हो सकता था। हालाँकि, यह सवाल उठाया गया है कि सिडको का कानूनी विभाग इस मामले को अदालत के संज्ञान में न लाकर किसका हित साधना चाहता था।

पुरस्कार को रद्द करने के लिए सिडको उच्च न्यायालय चला गया

वाघिवली भूमि अधिग्रहण में कई त्रुटियां हैं और भूमि अधिग्रहण के समय यह जमीन सरकार के कब्जे में थी। इसलिए, कोंकण संभागीय आयुक्त ने डेढ़ साल पहले राज्य सरकार और सिडको को बेलापुर में पारसिक पहाड़ी पर मुंडाडा परिवार को सिडको द्वारा आवंटित 53,200 वर्ग मीटर के कुल क्षेत्रफल वाले तीन भूखंडों को जब्त करने की सिफारिश की थी। इस अवधि के दौरान, जुलाई 2023 में, अलीबाग अदालत ने फैसला किया कि सिडको को वाघिवली भूमि संदर्भ मामले में भूमि धारक को 722 करोड़ का अतिरिक्त मुआवजा देना चाहिए।

नए साल के पहले दिन मुंबई नासिक हाईवे पर भीषण हादसा हो गया

ठाणेः मुंबई नासिक हाईवे पर पंचपक्खड़ी इलाके में ड्राइवर ने कार से नियंत्रण खो दिया और कार सड़क किनारे खड़े एक टेंपो से जा टकराई. इस टक्कर में पांच यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए और उनमें से दो की हालत गंभीर है. घायलों की पहचान फैयाज शेख (51), विकास कुमार (21), शिवशंकर विक्रम आदित्य (33), संतोष कुमार (24) और प्रदीप प्रसाद (25) के रूप में की गई है। संतोष और विकास की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें आगे के इलाज के लिए मुंबई के शिव अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी घायलों का इलाज ठाणे जिला सरकारी अस्पताल में चल रहा है। सोमवार सुबह एक टाटा सूमो मोटर मुंबई नासिक हाईवे से ठाणे की ओर जा रही थी। कार फैयाज चला रहा था. बाकी लोग उसके साथ यात्रा कर रहे थे। सुबह करीब 7 बजे जब कार पचपक्खड़ी इलाके में पहुंची तो कार का पिछला पहिया पंक्चर हो गया और फैयाज ने वाहन से नियंत्रण खो दिया. तो उनकी कार सड़क पर ईंटों से भरे एक टेंपो से टकरा गई. हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा पिचक गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम, ठाणे नगर निगम की फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन विभाग की टीम मौके पर पहुंची. उन्होंने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है और घायलों का इलाज चल रहा है.

ठाणे के बाद क्लस्टर के कारण मीरा-भायंदर की भी बदल जाएगी सूरत?

मीरा-भायंदर : राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गढ़ ठाणे के बाद मीरा-भायंदर शहर के लिए समूह विकास (क्लस्टर) योजना को मंजूरी दे दी है। आधिकारिक और अवैध निमार्णों के पुनर्विकास के लिए इस तरह से क्लस्टर विकास मार्ग अपनाने वाले मीरा-भाईंदर ठाणे के बाद अगले दो शहर होंगे। यहां के नगर निगम ने इस योजना को 24 जगहों पर लागू करने की योजना तय की है. शहर के पुराने आवासीय परिसरों और स्लम इलाकों में इस योजना का लाभ पहुंचाने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है. पहले चरण में इस योजना को प्राथमिकता के आधार पर सात स्थानों पर लागू किया जाएगा। इस योजना से मीरा-भायंदर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पुनर्विकास शुरू होने की संभावना है। इसलिए मुंबई के उपनगर कहे जाने वाले दो शहरों की सूरत बदल सकेगी.

मीरा-भाईंदर में समूह विकास योजना की क्या आवश्यकता है?

पिछले पांच दशकों में मीरारोड और भयंदर में बड़ी संख्या में अवैध इमारतें बनी हैं। कई इमारतों द्वारा कारपेट एरिया इंडेक्स (एफएसआई) के अत्यधिक उपयोग के कारण इसका पुनर्विकास रुका हुआ है। कई इमारतें खतरनाक स्थिति में होने के बाद भी निवासी उन्हें खाली करने से इनकार कर रहे हैं। इसलिए मांग की गई कि भवन के पुनर्निर्माण की राह आसान करने के लिए इस योजना को क्रियान्वित किया जाए। राज्य सरकार द्वारा घोषित नए यूनिफॉर्म डेवलपमेंट कंट्रोल रेगुलेशन (यूनिफॉर्म डीसीआर) में इस योजना को मंजूरी मिलने से रुके हुए पुनर्विकास को मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

कोरोना के नए वैरिएंट जेएन.1 के संक्रमितों की संख्या २९ हुई

मुंबईः नए वर्ष का जश्न मानकर घर लौटने वाले किसी व्यक्ति को बीमार और बुजुर्ग व्यक्ति के सीधे संपर्क में नहीं आना चाहिए। आगामी 5 दिनों तक घर में अगर सभी लोग मास्क पहनें, तो सही होगा क्योंकि बाहर से आए लोगों से घर में संक्रमण फैलने का जोखिम ज्यादा होता है। खासकर बीमार व बुजुर्गों में कोविड का वायरस ज्यादा तेजी से हावी हो सकता है। अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ सकती है। यह बात टास्क फोर्स के अध्यक्ष डॉ. रमण गंगाखेडेकर ने कही है। उन्होंने सुझाव दिया कि सावधानी बरतते हुए ऐसे लोगों को मास्क पहनना चाहिए।

31 दिसंबर और नए वर्ष का जश्न मनाने के लिए मुंबई से बड़े पैमाने पर लोग शिमला, मनाली, गोवा सहित अन्य राज्यों में घूमने जा रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर कोविड भी अपना पांव पसार रहा है। एनबीटी से बातचीत में पूर्व इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के निदेशक रहे डॉ. गंगाखेडेकर ने बताया कि कोविड से डरने की आवश्यकता नहीं है। कोविड से निपटने के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है। अस्पतालों में बेड्स, उपचार के लिए दवाइयां और डॉक्टर भी उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य यंत्रणा तैयार है। उन्होंने कहा कि जेएन.1 ओमिक्रॉन वायरस का नया सब वेरिएंट है। यह वेरिएंट तेजी से फैलता है। इस वायरस से सबसे ज्यादा जोखिम बुजुर्गों और बीमार लोगों को है, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। यह वायरस उच्च जोखिम वालों के स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। इन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्कता पड़ सकती है। इसलिए मेरी लोगों से अपील है कि जो भी लोग अन्य राज्यों से या भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों से छुट्टी मनाकर लौट रहे हैं, वे घर में बुजुर्गों और बीमार लोगों के सीधे संपर्क में न आएं। वरना वे संक्रमित हुए तो उनसे दूसरों में भी संक्रमण फेल सकता है। कम से कम 5 दिनों तक घर में मास्क पहनें। 'इच्छा है तो ले सकते हैं वैक्सीन' डॉ. गंगाखेडकर ने बताया कि बूस्टर डोज को लेकर निर्णय टास्क फोर्स की बैठक में होगा, लेकिन मेरी निजी राय यह है कि पुराने वैक्सीन जो बने थे, वह ओमिक्रॉन वायरस से लड़ने में उतने कारगर नहीं हैं। हालांकि अब वैक्सीन आ गई है जो ओमिक्रॉन पर भी असरदार है।

कल्याण, डोंबिवली में 90 ड्राइवरों के खिलाफ कार्रवाई...
शराब के नशे में दुपहिया वाहन, मोटर कार चला रहे थे

कल्याणः पिछले दो दिनों में ट्रैफिक पुलिस ने कल्याण और डोंबिवली शहर में शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 90 ड्राइवरों के खिलाफ कार्रवाई की है. नये साल के उत्साह में कई वाहन चालक शराब पीकर गाड़ी चला रहे हैं और पुलिस ने शहर में विशेष निरीक्षण अभियान शुरू किया है. यह कार्रवाई उसी वक्त की गई. नशे में धुत ड्राइवरों की सबसे ज्यादा संख्या कल्याण पश्चिम में पाई गई। डोंबिवली में 20 और कल्याण कोलसेवाड़ी इलाके में 26 शराबी पाए गए। इन सभी पर मोटर वाहन अधिनियम, भारतीय दंड संहिता के तहत जुमार्ना लगाया गया है। एक यातायात अधिकारी ने

बताया कि कुछ वाहन चालकों को हिरासत में लेकर अदालत में लाया गया है और दंडात्मक कार्रवाई की गयी है. डोंबिवली ट्रैफिक डिवीजन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजय अफले, कोलसेवाड़ी ट्रैफिक डिवीजन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन संदभोर और कल्याण ट्रैफिक डिवीजन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गिरीश बाने के नेतृत्व में एक टीम ने यह कार्रवाई की।

कमाठीपुरा पुनर्विकास जल्दी ही पूरा होने के कगार पर...

मुंबई : मुंबई के कमाठीपुरा का जिक्र आते ही जेहन में जो तस्वीर उभरती है, वो अच्छी नहीं कही जा सकती है। दरअसल, ये मुंबई का रेड लाइट एरिया है, जिसका पुनर्विकास बीते कई सालों से रुका हुआ था। लेकिन अब कमाठीपुरा पुनर्विकास जल्दी ही पूरा होने के कगार पर है, क्योंकि महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (म्हाडा) के रिपेयर एंड रिडेवलपमेंट बोर्ड ने कमाठीपुरा क्लस्टर पुनर्विकास हेतु प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कमेटी नियुक्ति करने का निर्णय लिया है और टेंडर भी निकाला है। इच्छुक कंपनियों को दो महीनों के भीतर डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट यानी (डीपीआर) सौंपनी होगी और ३ महीने के भीतर अप्रूवल दिया जाएगा, जिसके बाद इस पर काम किया जाएगा। म्हाडा रिपेयर एंड रिडेवलपमेंट बोर्ड के सीईओ मिलिंद समभरकर ने बताया कि कमाठीपुरा लेन-१ से १५ के पुनर्विकास के लिए म्हाडा ने डीसीआर रूल ३३(९) के अंतर्गत पीएमसी नियुक्त कर रही है। यह पुनर्विकास कई चरणों के तहत किया जाएगा। सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है। डीपीआर में कमेटी को वहां के लोगों का पुनर्वसन, पानी सप्लाई, पर्यावरण स्टडी और अन्य जरूरी पहलुओं का अध्यन कर रिपोर्ट सौंपनी होगी। साथ ही कंपनी को १५ वर्षों से ज्यादा पुनर्विकास का अनुभव होना चाहिए।

बता दें कि कमाठीपुरा में रहनेवाले करीब ८ हजार लोगों के क्लस्टर पुनर्विकास को राज्य सरकार ने ढाई से तीन साल पहले ही मंजूरी दे दी थी, लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद यह प्रोजेक्ट रुक गया था। यह मुद्दा विधानसभा में भी कई बार गरमाया था। कमाठीपुरा का पुनर्विकास पिछली सरकारों के एजेंडे में भी था।

महाराष्ट्र पुलिस बल राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम : राज्यपाल रमेश बैस

मुंबई: राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि महाराष्ट्र पुलिसबल राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सक्षम हैं. राज्य पुलिसने नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने के अलावा खेल के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. राज्यपाल रमेश बैस गोरेगांव के राज्य रिजर्व पुलिसबल ग्राउंड में महाराष्ट्र पुलिसदिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. मौके पर पुलिसमहानिदेशक (अतिरिक्त प्रभार) विवेक फणसलकर और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. राज्यपाल ने कहा कि महाराष्ट्र पुलिसबल के ध्येय वाक्य 'सदरक्षणाय खलनिर्ग्रहणाय' के अनुरूप उल्लेखनीय कार्य कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक पदक जीतकर महाराष्ट्र पुलिसबल की छवि को ऊंचा उठाया है. यह महाराष्ट्र के लिए गौरव की बात है. राज्यपाल ने बताया कि हरयाणा में आयोजित अखिल भारतीय पुलिसकुश्ती क्लस्टर-2023 प्रतियोगिता में महाराष्ट्र पुलिसबल ने छह स्वर्ण, चार रजत और बारह कांस्य सहित कुल 22 पदक जीते हैं. विन्निपेग कनाडा में विश्व पुलिसऔर फायर गेम्स 2023 में, महाराष्ट्र पुलिसबल के एथलीटों ने कुश्ती/बॉडी बिल्डिंग/फिजिक्स बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य सहित कुल सात पदक जीते. मुंबई में आयोजित 88वीं अखिल भारतीय और दक्षिण एशियाई रब्बी प्रतियोगिता-2023 में महाराष्ट्र पुलिसरब्बी संघ ने कांस्य पदक जीता है. विवेक फणसलकर ने कहा कि 2 जनवरी, 1961 को भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने महाराष्ट्र पुलिसबल को पुलिसध्वज प्रदान किया था. इसलिए 2 जनवरी को महाराष्ट्र पुलिसदिवस के रूप में मनाया जाता है. समुद्री सुरक्षा, नक्सलवाद के साथ-साथ साइबर सुरक्षा जैसी नई चुनौती है. राज्य सरकार द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम तथा महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए विभिन्न उपाय क्रियान्वित किये जा रहे हैं. वर्तमान में, राज्य में कुल 48 साइबर पुलिसस्टेशन और 44 साइबर लैब शुरू किए गए हैं और आधुनिक तकनीकी उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं. उन्होंने परिचय में यह भी कहा कि इस साल पुलिसबल में 18 हजार नये पद भरे गये हैं और उनका प्रशिक्षण जारी है.

महामारी के बाद से दिल की बीमारियां तेजी से बढ़ी

मुंबई : पिछले कुछ महीनों में एक चौंकानेवाले तथ्य सामने आया है कि देश में दिल की बीमारी के कारण कई युवाओं की मौत हो गई है। अधिकांश की मृत्यु अचानक हृदयाघात से हुई है। जिम में वर्कआउट करते समय मौत के मामले भी सामने आए हैं। कोरोना महामारी के बाद से दिल की बीमारियां तेजी से बढ़ी हैं। देश में हार्ट अटैक अथवा कार्डियक अरेस्ट के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में अब एक बार फिर कोरोना के नए जेएन.१ वैरिएंट ने सिरदर्द बढ़ा दिया है। दूसरी तरफ विशेषज्ञों का मानना है कि फिटनेस प्रष्ठीक लोगों में दिल का दौरा पड़ने से जान जाने का जोखिम अधिक होता है। इसे देखते हुए ऐसे लोगों को सजग रहने की जरूरत है। कोविड-१९ पैष्ठलने के बाद से कई मौतें हुई हैं और चिंता की बात यह है कि दिल का दौरा पड़ने से मरनेवालों में फिट युवा, मशहूर हस्तियां और यहां तक कि स्कूली बच्चे भी शामिल हैं।

आरे मिल्क कॉलोनी में १३२ हेक्टेयर भूमि को हरित क्षेत्र घोषित

मुंबई : मुंबई की आरे कॉलोनी को ग्रीन जोन के लिए तत्कालीन महाविकास आघाड़ी सरकार ने तीन साल पहले इस संदर्भ में पैष्ठसला लिया था। तत्कालीन उद्धव ठाकरे सरकार ने जंगलों के लिए ७०५ एकड़ जमीन आरक्षित की थी। राज्य की ईडी सरकार ने आखिरकार आघाड़ी सरकार के उक्त पैष्ठसले पर औपचारिक रूप से मुहर लगा दी है। आरे मिल्क कॉलोनी में १३२ हेक्टेयर (लगभग ३२६ एकड़) भूमि को हरित क्षेत्र घोषित कर दिया है। इससे अब पूरा आरे इलाका ग्रीन जोन में आ गया है। आरे में विकास कार्यों के लिए जगह दिए जाने को लेकर चल रहे संशय पर से पर्दा उठने की संभावना जताई जा रही है। मतलब मुंबई का आरे इलाका अब ग्रीन जोन में रहेगा। इसलिए पर्यावरणविदों ने इसका स्वागत किया है। इस संदर्भ में नगर विकास विभाग ने पिछले सप्ताह एक परिपत्र जारी किया है।

'डंकी' ने भारत समेत दुनियाभर में 400 करोड़ रुपये से अधिक कमाए

मुंबई : अभिनेता शाहरुख खान अभिनीत फिल्म 'डंकी' ने रिलीज के बाद से अब तक भारत समेत दुनियाभर में 400 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म के निमार्ताओं ने मंगलवार को यह जानकारी दी। निमार्ता रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने अपने आधिकारिक 'इंस्टाग्राम' पेज पर मंगलवार को बॉक्स ऑफिस से जुड़ी यह जानकारी साझा की। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा, '' आपके असीम प्यार से हमारा बंदा और उसके साथी बॉक्स ऑफिस पर नयी ऊंचाइयों को छू रहे हैं। '' 'डंकी' 21 दिसंबर को दुनियाभर में रिलीज हुई थी।

उत्तर भारत में कोहरा की वजह से हवाई सेवाओं पर असर

मुंबई: उत्तर भारत में छाए कोहरे का असर हवाई सेवाओं पर भी पड़ा है। मंगलवार को भी दिल्ली से आने वाली दो फ्लाइटें दो घंटे की देरी से आईं। गोरखपुर से दिल्ली जाने वाली शाम की फ्लाइट भी देर से गई। इसके अलावा मुंबई से आई फ्लाइट भी करीब एक घंटे लेट आई। हैदराबाद की फ्लाइट आधे घंटे की देरी से गोरखपुर पहुंची। गोरखपुर एयरपोर्ट से दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद आदि शहरों के लिए हर दिन करीब 15 फ्लाइट हैं। इनमें से दिल्ली-लखनऊ होकर आने वाली उड़ानें कोहरे के चलते प्रभावित हो गई हैं। मंगलवार को दिल्ली से दोपहर व शाम को आने वाली स्पाइसजेट व इंडिगो की फ्लाइट दो घंटे लेट थी। वहीं मुंबई से आने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट भी एक घंटे की देरी से आई। इसके अलावा हैदराबाद से दोपहर में आने वाली फ्लाइट आधे घंटे की देरी से आई। दिल्ली जाने वाली शाम की फ्लाइट भी करीब एक घंटे की देरी से गई।

महाराष्ट्र में फेक प्रोफाइल के सबसे ज्यादा मामले दर्ज

मुंबई: देश में साइबर क्राइम के मामले में तेलंगाना सबसे आगे हैं। यहां हर तरह के साइबर क्राइम दूसरे राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा होते हैं। 2022 में तेलंगाना में बैंकिंग फ्रॉड के 3223,ओ. टी.पी फ्रॉड के 2179 और साइबर ब्लैकमेलिंग के 234 केस दर्ज किए गए। तेलंगाना के बाद महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश को साइबर क्राइम हॉट स्पॉट कहा जा सकता है। महाराष्ट्र में फेक प्रोफाइल के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए। वहीं बिहार में एटीएम फ्रॉड के मामल सबसे ज्यादा हुए।

गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। दरअसल, गृह मंत्रालय ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल, डेटा पोर्टल और एनसीआरबी के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों में हो रहे साइबर क्राइम के विभिन्न प्रकारों के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इससे यह पता चलता है कि किस राज्य में किस प्रकार के साइबर अपराध सबसे ज्यादा है। ताकि राज्यों के हिसाब से साइबर क्राइम के विभिन्न प्रकारों को समझ कर इससे निपटने की नई रणनीति तैयार की जा सके। न में 51 और यूपी में 37 केस दर्ज किए गए।

गृह मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि देशभर में सोशल मीडिया पर फेक न्यूज फैलाने का अपराध 6 राज्यों में सबसे अधिक होता है। इनमें तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश टॉप पर हैं। देशभर में 2022 में फेक न्यूज फैलाने के 230 मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें से तेलंगाना में 81, तमिलनाडु में 37 मामले आए थे। तेलंगाना और महाराष्ट्र में साइबर ब्लैकमेलिंग के मामले भी सबसे ज्यादा दर्ज किए गए। तेलंगाना में 2022 में साइबर ब्लैकमेलिंग के 234, महाराष्ट्र में 95, असम में 70, राजस्था 2022 में देशभर में एटीएम फ्रॉड के 1690 केस दर्ज हुए। इस मामले में बिहार सबसे आगे हैं। अकेले बिहार में 638 एटीएम फ्रॉड केस दर्ज हुए हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर तेलंगाना (624) और तीसरे नंबर पर महाराष्ट्र (144) का नाम आता है। सोशल मीडिया पर किसी व्यक्ति का फेक प्रोफाइल बनाकर ठगी के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र और राजस्थान में सामने आए हैं। देशभर में ऐसे कुल 157 मामले दर्ज किए गए थे। महाराष्ट्र में 48, राजस्थान में 33, बिहार में 26 और तेलंगाना में 14 मामले दर्ज किए गए थे। साइबर क्रिमिनल्स इन दिनों पिंक वाट्सऐप के जरिए 'डकैती' कर रहे हैं। लोगों को लगता है कि ये वाट्सऐप का नया वर्जन है, लेकिन ये उनके बैंक बैलेंस को खाली करने के साथ फोन को भी हैक कर लेता है।

आप पर सिर्फ अपनी नहीं, बल्कि पूरे परिवार की जिम्मेदारी है। फिर बात चाहे हेल्थ की ही क्यों न हो। फैमिली के हेल्दी रहने की रिस्पॉन्सिबिलिटी पूरी तरह आपकी ही है। थोड़ी सी सावधानी बरत कर आप इस कार्य पर आसानी से कामयाबी पा सकती हैं कैसे?

रखे परिवार के स्वास्थ्य का ख्याल

अगर आपकी फैमिली हेल्दी और हैप्पी है, तो जाहिर है कि आप भी हैप्पी होंगी, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं है कि आजकल की टफ और फास्ट लाइफ में पूरी फैमिली के हाइजीन और न्यूट्रिशन का ख्याल रखना आपके लिए किसी चैलेंज से कम नहीं। ऐसे में फैमिली की हेल्थ आपकी टॉप प्रायरिटी है और इसे अच्छा बनाए रखना बेहद जरूरी है।

जरूरी है न्यूट्रिशन

आपकी फैमिली की हेल्थ कैसी है, यह इस बात पर डिपेंड करता है कि आपके फैमिली मेंबर्स क्या खाते हैं। कोशिश करें कि वे न्यूट्रिशंस से भरपूर घर का बना खाना ही खाएं। अगर उन्हें फ्रूट्स खाने की आदत नहीं है, तो इसकी शुरुआत आप ब्रेकफास्ट से कर सकती हैं। उन्हें ब्रेकफास्ट में उनके पसंदीदा फूड के एक-दो पीस जरूर दें। आप टीनएजर्स को फ्रूट्स और वेजिटेबल्स से होने वाले स्किन ग्लो, एनर्जी लेवल बढ़ने व ऐसे दूसरे बेनिफिट्स के बारे में बता सकती हैं।

जंक फूड हो स्पेशल

बात हेल्थ की हो रही है, तो जंक फूड को अवॉइड करना ही बेहतर है, लेकिन फिर भी बच्चे इसकी डिमांड करते हैं, तो उन्हें कुछ मजेदार खिलाने के लिए आपको थोड़ा क्रिएटिव बनना होगा। मतलब ये हुआ कि आपको किचन में कुछ एक्सपेरिमेंट्स करने होंगे। बच्चों को विट पास्ता विद वेजिटेबल्स, वेज सैंडविच या ऐसी दूसरी डिशेज बनाकर खिलाई जा सकती हैं।

हाइजीन और हैबिट्स

आपकी फैमिली को इटिंग, हाइजीन व क्लिनिंग से जुड़ी अच्छी आदतों के बारे में पता होना चाहिए। उन्हें बताएं कि खाने से पहले हाथ जरूर धो लें। जल्दी-जल्दी खाने की बजाय धीरे- धीरे चबाकर खाएं। अक्सर बच्चे खेलते-कूदते हुए खाते हैं, जिससे उन्हें डाइजेशन में प्रॉब्लम हो सकती है। उन्हें खाने से तुरंत पहले और खाने के फौरन बाद पानी पीने से रोकें। इसके अलावा बच्चों के वेक्सिनेशन का भी ख्याल रखें। डॉ . सिमरन के मुताबिक आपके घर कोई यंग लड़की है तो उसे सर्वाइकल कैंसर का वेक्सीन लगवाया जा सकता है।

साथ में वॉक

अगर आप फैमिली के साथ वॉक का रूटीन बना लेती है , तो इससे बढ़िया क्या होगा। यूं तो रोजाना वॉक बेस्ट है, लेकिन वीक में कम से कम दो बार ऐसा करने से भी अच्छे रिजल्ट दिखेंगे। किड्स को आउटडोर गेम्स की तरफ मोटिवेट करें। ये सही है कि इनडोर गेम्स, इंटरनेट बच्चों को दिमागी तौर पर हेल्दी बनाते हैं, लेकिन फिजिकल फिटनेस के लिए आउटडोर एक्टिविटीस भी जरूरी है। फिटनेस एक्सपर्ट डॉ. जीशान अहमद का कहना है कि आजकल सर्वाइकल की प्रॉब्लम बहुत बढ़ रही है। ऐसे में आप बच्चों को या बड़ों को ज्यादा देर तक एक ही पॉस्चर में टीवी देखने या कोई इनडोर गेम खेलने से रोकें।

मामला इमोशनल हेल्थ का

न सिर्फ फिजिकल हेल्थ, बल्कि आपकी इमोशनल या मेंटल हेल्थ का दुरुस्त होना बेहद जरूरी है। आप दिमागी तौर स्वस्थ रहेंगे, तो किसी भी काम का सक्सेस रेट बढ़ेगा। इसके लिए आप घर में ऐसा माहौल बनाएं, जिसमें सभी खुश रह सकें। कोई भी स्ट्रेस से ग्रस्त नहीं होना चाहिए। आप फैमिली के साथ मूवी देखकर, शॉपिंग या आऊटिंग करके स्ट्रेस को दूर कर सकती हैं।

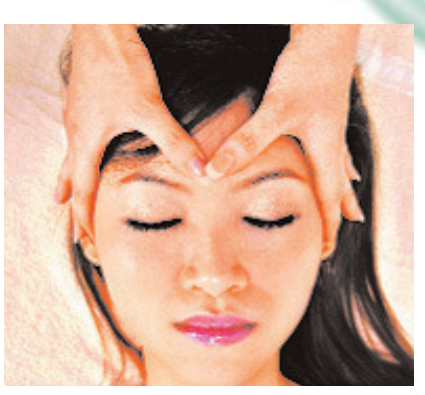

हमेशा रहें सावधान

बेहतर होगा कि आप समय-समय पर फैमिली मेंबर्स का वेट, कोलेस्ट्रॉल लेवल और बीपी वगैरह की जांच कराती रहें। अगर घर में शुगर या बीपी का कोई पेशेंट है, तो घर में ही मशीन रखकर उसकी जांच कर सकती हैं, जिससे वह आउट ऑफ कंट्रोल न हो। ऐसे में किसी बीमारी का समय से पता लगाया जा सकता है। अगर फैमिली में कोई बीमार हो जाए तो सिचुएशन को कंट्रोल करने का जिम्मा आप पर ही होगा। ऐसे में यह देखना भी जरूरी है कि उसकी बीमारी से दूसरों को कोई मानसिक तनाव न हो। बीमार व्यक्ति के प्रति अपना सपोर्ट और प्यार जताना बेहद जरूरी है। छोटी बीमारी तो चंद दिनों के इलाज से ठीक हो जाती है, लेकिन अगर कोई बड़ी बीमारी है तो आपका रोल और भी अहम होगा।

काम के रूल्स

बच्चों को हेल्थ संबंधी अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ रूल्स तय करने का आइडिया भी बुरा नहीं है। वैसे, अगर घर के बड़े और बच्चे इन रूल्स को फॉलो कर लेते हैं, तो न सिर्फ उनकी हेल्थ अच्छी बनेगी, बल्कि उनमें अनुशासन की भावना भी पनपेगी। इसके अलावा उन्हें प्रेरित करने के लिए बड़े सिलेब्रिटिज के उदाहरण भी दिए जा सकते हैं।

दवाओं को नो

कई घरों में ऐसा माहौल होता है कि छोटी सी तकलीफ पर भी वे तुरंत पिल्स ले लेते हैं। अगर आप भी ऐसा कर रही हैं, तो इसे तुरंत रोकें। ऐसे में आप दवाओं के बिना घरेलू उपचार अपना सकती हैं। मसलन, हैवी डिनर के बाद अगर कोई इनडाइजेशन महसूस कर रहा है तो पिल देने की बजाय उसे मिंट की पत्ती दे सकती हैं।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 जनवरी, 2024

विरार में पतंगबाजी के दौरान छत से गिरकर 13 साल के लड़के की मौत

वसईः पतंग उड़ाते समय छत से गिरकर 13 साल के लड़के की मौत हो गई. लड़के का नाम कार्तिक सुभाष रेवाले (13) है। हादसा विरार पूर्व के साईनाथ नगर इलाके में शुक्रवार शाम करीब 5 बजे हुआ. कुछ ही दिनों में मकर संक्रांति आने के साथ ही बच्चों और युवाओं ने अभी से पतंग उड़ाना शुरू कर दिया है. विरार पूर्व के साईनाथ नगर में साई वैष्णवी अपार्टमेंट में रहने वाला लड़का कार्तिक रेवाले (13) शुक्रवार शाम करीब 5 बजे इमारत की छत पर पतंग उड़ा रहा था।

आदिवासी श्रमिकों का उत्पीड़न

वसईः पालघर जिले के भिवंडी चिंबीपाड़ा में एक ईंट व्यवसायी द्वारा आदिवासी स्पिनर श्रमिकों को परेशान करने का मामला सामने आया है. श्रमजीवी संस्था ने इस मामले को उजागर किया है और 11 नागरिकों को इससे बचाया है. भिवंडी तालुका के चिंबिपाड़ा इलाके के एक ईंट व्यापारी ने अपने ईंट भट्ठे पर काम करने के लिए पालघर जिले के दहानू, जव्हार, शिलोट्टारा वाडा से मजदूरों को बुलाया था। लेकिन काम करने आये आदिवासियों द्वारा मजदूरों को परेशान कर काम कराया जा रहा था.

नए साल में राज्य में तीन महत्वपूर्ण परियोजनाएं पटरी पर हैं...

मुंबई : राज्य में तीन बड़ी और महत्वाकांक्षी परियोजनाएं विरार-अलीबाग मल्टी-पर्पज कॉरिडोर, जालना-नांदेड़ समृद्धि मार्ग (विस्तारित कॉरिडोर) और पुणे रिंग रोड (पुणे रिंग रोड) नए साल में लॉन्च की जाएंगी। इन तीन परियोजनाओं के निर्माण के लिए महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) को 26 चरणों में प्राप्त 28 निविदाओं में से 18 निविदाएं योग्य हो गई हैं। तदनुसार, दस दिनों के भीतर वित्तीय निविदाएं जारी की जाएंगी। एमएसआरडीसी मार्च-अप्रैल में कॉन्ट्रैक्ट देने और इस प्रोजेक्ट का काम शुरू करने की योजना बना रही है।

90 हजार से अधिक आंगनवाड़ी सेविकाएं 3 जनवरी से आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन धरना पर

मुंबई : महाराष्ट्र में आंगनवाड़ी सेविकाएं और सहायिकाएं अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पिछले एक महीने से हड़ताल पर हैं। इसके बावजूद उनकी मांगों पर ध्यान देने की बजाय घाती सरकार नजरअंदाज कर रही है। इससे आहत होकर अब आंगनवाड़ी सेविकाएं और सहायिकाएं आर-पार के मूड में हैं। उन्होंने पैष्ठसला किया है कि जब तक मुख्यमंत्री आकर उनसे बात नहीं करते हैं और हमारी मांगों पर संज्ञान नहीं लेते हैं, तब तक हम हड़ताल वापस नहीं लेंगे। इस बीच हम पर सरकार चाहे गोलियां चलाए अथवा लाठियां भांजे, फिर भी पीछे नहीं हटेंगे। इस हड़ताल को और विकराल करने के लिए १० हजार से अधिक आंगनवाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं ने तीन जनवरी से आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन धरना देने जा रही हैं। यह जानकारी महाराष्ट्र राज्य आंगनवाड़ी कर्मचारी कृति समिति के महासचिव बृजपाल सिंह ने दी है।

उल्लेखनीय है कि आंगनवाड़ी सेविकाएं और सहायिकाएं चार दिसंबर से हड़ताल पर हैं। इसके चलते तीन से छह साल तक के बच्चों को भोजन और शिक्षा मिलने में दिक्कत आ रही है। इससे कुछ हद तक राहत पाने के लिए बीच में जिप के शिक्षकों और पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों से आंगनवाड़ी केंद्रों पर ध्यान देने की अपील की गई थी। दूसरी तरफ एकीकृत बाल विकास योजना आयुक्त रूबल अग्रवाल ने सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को अपने अधिकार में लेने का सर्वुष्ठलर जारी कर दिया है। इसके तहत आशा सेविका, पुलिस पाटील, मध्या' भोजन कर्मचारियों को शिक्षा और भोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि, आंगनवाड़ी कर्मचारियों ने केंद्रों को सौंपने पर विरोध जताया है। वहीं इस हड़ताल से ग्रामीण, आदिवासी और शहरी क्षेत्रों में लाभार्थियों को योजना का लाभ मिलना बंद हो गया। २८ दिन बाद भी घाती सरकार ने आंगनवाड़ी सेविकाओं की समस्याओं का समाधान करने के बजाय दमन शुरू कर दिया है। संगठन के महासचिव बृजपाल सिंह ने बताया कि ज्ञानज्योती सावित्रीबाई पुष्ठले की जयंती पर हजारों आंगनवाड़ी सेविकाएं आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग की एकीकृत बाल विकास सेवा योजना के तहत लगभग १ लाख आंगनवाड़ी केंद्रों में दो लाख आंगनवाड़ी सेविकाएं काम कर रही हैं। इनमें से लगभग ९७ परियोजनाएं आदिवासी क्षेत्रों में कार्यरत हैं। आंगनवाड़ी सेविकाओं की स्थिति वैधानिक है और उन्हें संविधान के अनुच्छेद ४७ में निहित कर्तव्यों को पूरा

मामूली झगड़े को लेकर चचेरे चाचा ने की भतीजे की हत्या...

आरोपी ने पहले की थी अपनी पत्नी की हत्या

दहानूः तलासरी तालुका में बेटे, भतीजे और भतीजी के बीच हुए मामूली विवाद में चचेरे भाई द्वारा भतीजे की हत्या करने की चौंकाने वाली घटना घटी है. तलासरी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया है. मुख्य आरोपी पहले भी अपनी पत्नी की हत्या के जुर्म में जेल की सजा काट चुका है और यह बात सामने आई है कि उसने जानबूझकर अपनी भतीजी की हत्या की थी. तलसारी तालुका के जरी फोंडा पाड़ा के 30 वर्षीय देवराम राघ्या जावलिया, जो अपने पिता के साथ मुंबई में मछली पकड़ने वाली नाव पर काम करते हैं, कुछ दिनों के लिए अपने घर आए थे। इस बीच, चचेरा भाई शनिवार दोपहर 3 बजे अपने बेटों प्रदीप खरपड़े 31 और विकास खरपड़े 23 साल के साथ घर से बाहर गया और रात 8 बजे घर लौटा। इसके बाद देवराम की गाड़ी तेज चलाने की बात पर तीनों के बीच बहस हो गई. इसी दौरान प्रदीप पिता चंदू खरपड़े 53 ने पीछे से आकर देवराम की गर्दन पर चाकू से वार कर दिया। इस पर चिल्लाने के बाद इलाके के लोगों ने घायलों को तलासरी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने देवराम को मृत घोषित कर दिया.

नायर के बाद शिव और कूपर में विशेष बच्चों के लिए पुनर्वास केंद्र?

मुंबईः नायर अस्पताल में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक 'प्रारंभिक उपचार और पुनर्वास केंद्र' शुरू किया गया। इसके बाद मुंबई नगर निगम ने मुंबई में दो और केंद्र शुरू करने की प्रक्रिया शुरू की है। तदनुसार, जगह ढूंढने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और नगर निगम पूर्वी उपनगरों में शिव और पश्चिमी उपनगरों में कूपर अस्पताल में ये केंद्र शुरू करने का इरादा रखता है। विशेष बच्चों का इलाज और पुनर्वास एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसके लिए विशेष बच्चों के माता-पिता को कड़ी मेहनत करनी होगी। इसलिए विशेष आवश्यकता वाले इन बच्चों को अद्यतन उपचार तक आसान पहुंच होनी चाहिए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हाल ही में एक ही छत के नीचे उनका एकीकृत पुनर्वास प्रदान करने के उद्देश्य से नायर अस्पताल में प्रारंभिक उपचार और पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन किया। उस समय मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई नगर निगम को मुंबई में ऐसे दो और आधुनिक केंद्र शुरू करने का निर्देश दिया था। इस सुझाव पर तुरंत अमल करते हुए मुंबई नगर निगम ने इस सेंटर के लिए जगह की तलाश शुरू कर दी है. पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में इस केंद्र के लिए जगह खोजने के प्रयास युद्ध स्तर पर हैं।

वसई में लोकल ट्रेनों में लावारिस बैग को लेकर दहशत

बम होने की अफवाह उड़ी...

वसईः विरार से चर्चगेट जाने वाली लोकल ट्रेन में एक लावारिस बैग मिलने से बम होने की अफवाह फैल गई. जांच के बाद यह बात अफवाह साबित हुई. यह बैग एक यात्री का था. लेकिन इससे एक ही डर था. रविवार शाम करीब 7 बजे विरार से चर्चगेट जा रही लोकल ट्रेन के महिला डिब्बे में एक लावारिस बैग मिला. बैग में बम होने की अफवाह से हड़कंप मच गया। इसलिए ट्रेन को वसई रोड रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया. बम स्क्वायड को बुलाया गया और बैग की तलाशी ली गयी. इस समय इलाके को खाली करा लिया गया और भारी सुरक्षा तैनात की गई. लेकिन बैग में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला. रेलवे पुलिस ने बताया कि यह बैग ट्रेन में यात्रा कर रहे एक यात्री का था और इसमें उसका सामान था. करीब साढ़े सात बजे ट्रेन को रवाना किया गया।

संपत्ति विवाद के चलते भाई के पत्नी की हत्या कर भाई पर भी किया हमला

मलाड : मलाड इलाके में बीमार भाई के साथ पत्नी की हत्या कर मारपीट करने का मामला सामने आया है। हमले में 35 वर्षीय महिला चित्रा ड्रेसन डिसा की मौत हो गई, जबकि डेमियन मार्कोस डिसा घायल हो गए। डेमियन का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है. पुलिस ने बताया कि उसकी हालत गंभीर है. इस मामले में बांगुरनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी पति ड्रेसन मार्कोस डिसा की तलाश शुरू कर दी है.

डेमियन अपने परिवार के साथ एवरशाइन, पद्मनगर, मलाड इलाके में रहता था। डेमियन की दोनों किडनी खराब हो गई हैं और उनका इलाज चल रहा है। ड्रैसन ने अपनी दवा का भुगतान करने के लिए अपनी संपत्ति बेचने का फैसला किया था। डेमियन के साथ-साथ ड्रेसन की पत्नी चित्रा ने भी उनका विरोध किया था। शुक्रवार को इन तीनों के बीच विवाद हो गया। इस बहस के दौरान ड्रेसिन ने डेमियन के साथ मिलकर मिट्टी के फूल के बर्तन से तस्वीर के सिर पर बेरहमी से वार किया।

वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये. इसी दौरान स्थानीय लोग दौड़ पड़े और घायलों को कांदिवली के शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने चित्रा को मृत घोषित कर दिया। डेमियन की हालत गंभीर है और उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उनकी हालत गंभीर है और उनका इलाज गहन चिकित्सा इकाई में किया जा रहा है. पुलिस ने डेमियन की पत्नी का बयान दर्ज कर लिया है और पुलिस ड्रेसन की तलाश कर रही है.

CMYK

महाराष्ट्र क्राईम्स

मुंबई, 05 जनवरी, 2024

नाबालिग बहन से रेप करते थे २ चचेरे भाई, गर्भवती किया

मुंबई : मुंबई में 2 चचेरे भाइयों पर 13 वर्षीय नाबालिग बहन से रेप का आरोप लगा है। दोनों भाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।फ्री प्रेस जनरल के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि किशोरी अपने माता-पिता के साथ विक्रोली की एक सोसाइटी में रहती है। दोनों भाई अक्सर उससे मिलने आते थे। आरोपी भाइयों की उम्र 22 साल और 18 साल है। आरोप है कि दोनों ने किशोरी का कई बार रेप कर उसे गर्भवती किया।

किशोरी के माता-पिता नौकरी पर जाते हैं। ऐसे में विक्रोली में ही रहने वाले उनके परिवार के 2 लड़के किशोरी की देखभाल करने के लिए आते थे। इस कारण किशोरी के माता-पिता को कोई शक नहीं हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, 31 दिसंबर को किशोरी का पेट सामान्य से बड़ा देखने पर मां ने उससे कारण पूछा। कोई जवाब न देने पर मां उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने बच्ची ने 23 सप्ताह की गर्भवती होने की पुष्टि की। किशोरी ने पुलिस में अपने बयान दर्ज कराए हैं। किशोरी ने पुलिस को बताया कि 18 वर्षीय चचेरे भाई ने सबसे पहले मई में उसका रेप किया था। इसके बाद 22 वर्षीय भाई ने अगस्त से रेप करना शुरू किया। किशोरी ने बताया कि दोनों ने कई बार उसका यौन उत्पीड़न और रेप किया। रेप करने से पहले दोनों आरोपी उसे अश्लील वीडियो दिखाते थे।

शिरूर लोकसभा सीट को लेकर शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी आमने-सामने

मुंबई : शिरूर लोकसभा सीट पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार की आपसी दावेदारी के बाद अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उन्हें जवाब देने शिरूर लोकसभा आ रहे हैं. मुख्यमंत्री का शिव संकल्प अभियान 6 जनवरी को शिरूर लोकसभा से शुरू हो रहा है. चर्चा है कि इसके जरिए वह शिरूर लोकसभा में अपनी ताकत दिखाएंगे. इसलिए शिरूर लोकसभा सीट पर शिंदे गुट और अजित पवार गुट के बीच टकराव देखने की आशंका है. वहीं शिवाजीराव पाटिल ने मुख्यमंत्री शिंदे के दौरे की जानकारी दी है.

शिरूर लोकसभा सीट पर महागठबंधन में किसे लड़ना चाहिए, इसे लेकर दावे-प्रतिदावे चल रहे हैं. उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने दावा किया है कि हम शिरूर लोकसभा सीट लड़ेंगे और जीतेंगे. दिलचस्प बात यह है कि महागठबंधन में शामिल अजित पवार ने आपसी सहमति से यह दावा किया है. अजित पवार के इसी दावे के बाद अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी इस लोकसभा क्षेत्र में रैली कर रहे हैं. इसलिए, उनके समर्थक दावा कर रहे हैं कि शिवाजीराव अदलराव पाटिल शिंदे समूह से उम्मीदवार हैं.

पाटिल ने कहा कि, ''अजित पवार के शिरूर लोकसभा उम्मीदवार जो शरद पवार समूह के सांसद अमोल कोल्हे को हराने के लिए प्रतिबद्ध हैं, वह तय करेंगे कि उनका उम्मीदवार कौन होगा. हालांकि, मैं शिंदे समूह में रहूंगा. पाटिल ने कहा कि अजित दादा ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन यह तय है कि वह शिरूर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे. पाटिल ने कहा कि अजित पवार की घोषणा के बाद जो भी भ्रम पैदा हुआ है कि हम उन्हें जवाब दे रहे हैं, वह वास्तव में सच नहीं है. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उन 22 सीटों का दौरा करने का फैसला किया है जिन पर पहले शिवसेना ने चुनाव लड़ा था. इस दौरे के दौरान लोगों से मुलाकात कर कार्यकर्ताओं की बैठक ली जाएगी. उसके जरिए मिशन 48 कार्यक्रम चलाया जाएगा. कम से कम 45 सीटों पर महागठबंधन का चुना जाना तय हो गया है. और इसीलिए एकनाथ शिंदे लोकसभा क्षेत्र में बैठक कर रहे हैं. उन्होंने आगे कहा, हालांकि अजित पवार ने शिरूर लोकसभा क्षेत्र पर दावा किया है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि उनके दावे में कुछ भी गलत है.

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के साथ क्रूर मजाक...

राज्य में तकरीबन २.५ लाख पद खाली

मुंबई : महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग और शिंदे-पवार-फडणवीस सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। राज्य में तकरीबन २.५ लाख पद खाली है। जबकि एमपीएससी ने हाल ही में केवल २०५ पदों का विज्ञापन जारी किया है लेकिन इस विज्ञापन में डिप्टी कलेक्टर, पुलिस उपाधीक, तहसीलदार जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक पद शामिल नहीं हैं। आम गरीब और ग्रामीण क्षेत्र के ३२ लाख छात्र एमपीएससी की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में सिर्फ २०५ पदों का विज्ञापन इतनी भारी संख्या में परीक्षा

की तैयारी कर रहे छात्रों के साथ क्रूर मजाक है। ऐसा गंभीर आरोप प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे ने लगाया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि मुख्य परीक्षा से पहले महत्वपूर्ण पदों का विज्ञापन दिया जाना चाहिए, अन्यथा कांग्रेस पार्टी छात्रों के हित में सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगी और इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

मंगलवार को गांधी भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए अतुल लोंढे ने कहा कि शिंदे-फडणवीस-पवार सरकार ने राज्य के युवाओं को ७५ हजार पदों का लॉलीपॉप दिखाया। लेकिन अब एमपीएससी के छात्रों का मजाक उड़ा रही है। दो साल बाद एमपीएससी की नई परीक्षा प्रणाली लागू करने को लेकर छात्रों ने बड़ा विरोध प्रदर्शन किया था। ऐसे में क्या एमपीएससी और बीजेपी सरकार इस विरोध का बदला ले रही है? क्या बीजेपी सरकार का दिमाग ठिकाने पर है। एमपीएससी ने यहां तक कि सभी पदों के लिए एक ही परीक्षा आयोजित करने का रुख भी अपनाया।

एंटॉप हिल में एक पाइप लाइन की मरम्मत भी नही हुई दूसरी फूटी

लोगो को पानी के लिए लेना पड़ा टैंकर का सहारा

मुंबई : एंटॉप हिल परिसर में पानी की पाइप लाइन फूटने से लोगो को पानी के लिए परेशानियां झेलनी पड़ रही है। सोमवार को 300 मिमी की पाइप लाइन फूटी थी। जिसका मनपा की ओर से मरम्मत कार्य पूरा भी नही हो पाया था कि इसी परिसर में दोबारा 600 मिमी व्यास की पाइप लाइन फूट गई जिससे लोगो को पानी के लिए तरसना पड़ा। लोगो को पानी के लिए टैंकर का सहारा लेना पड़ा। मनपा के जल विभाग ने जानकारी दी कि फूटी पाइप लाइन का मरम्मत कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। मरम्मत कार्य पूरा होने पर पानी का दाब पूरा हो जाने पर जलापूर्ति पूर्वत हो जाने की जानकारी दी। एफ उत्तर वार्ड में आने वाले एंटॉपहिल इलाके में सोमवार को

300 मिमी व्यास की जलापूर्ति करने वाली पाइप लाइन फूटी थी । पाइप लाइन का मरम्मत कार्य मंगलवार तक चल रहा था।पाइप लाइन का मरम्मत कार्य अभी पूरा भी नही हुआ था और लोगो को पानी अभी मिला भी नही था कि दूसरी 900 मिमी व्यास की पाइप लाइन मंगलवार को फूट गई। मनपा 'एफ नॉर्थ' वार्ड के कोकरी आगार, विजय नगर, संगम नगर, दोस्ती एकड़, हिम्मत नगर, शांति नगर, आजाद मोहल्ला, एंटॉप हिल, वडाला पूर्व, गणेश नगर, शिवशंकर नगर, नेहरू नगर, इंदिरा नगर, वडाला ट्रांजिट कैंप, पंजाबी कॉलोनी, सेवा समिति, म्हाडा कॉलोनी, सायन कोलीवाड़ा, बी. पी टी., बंगालीपुरा, राजीव गांधी नगर आदि इलाकों में पानी की सप्लाई नहीं हो पाई। लोगो को पानी के लिए इधर उधर भटकना पड़ा। पानी के लिए एक मात्र टैंकर एक सहारा था लेकिन उससे भी पानी की सप्लाई पूरी नहीं होने से लोगो को तकलीफो का सामना करना पड़ा। जिस स्थान पर पाइप लाइन फूटी है उसका मरम्मत कार्य युद्ध स्टार पर शुरू होने की जानकारी मनपा के जल विभाग अधिकारियों ने दी। मरम्मत कार्य में 35 मजदूर-कर्मचारी-अधिकारी जुटे हुए है।

सड़क पर लौट रहे वाहन... मिलेगा पेट्रोल डीजल - सरकार की अपील

मुंबई: महानगर क्षेत्र में जिस पेट्रोल पंप पर स्टॉक था, वहां पर दोपहिया और कारों की लाइन लगी हुई थी। इस दौरान, डीलर्स की ओर से अपील की गई कि पेट्रोल और डीजल की कमी नहीं है, बस ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल की वजह से पेट्रोल पंप पर आपूर्ति नहीं हो पा रही है, इसलिए जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल और डीजल भरवाएं। वहीं, पुलिस प्रशासन डीलर्स से कह रही थी कि पेट्रोल और डीजल लाने के लिए ड्राइवर्स से कहें, उन्हें डिपो से पेट्रोल और डीजल लाने के लिए पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। हालांकि, पुलिस प्रशासन के आश्वासन का कोई असर नहीं दिखा है। परेल नाके पर स्थित पेट्रोल पंप

के मालिक नवीन विजन ने कहा कि मंगलवार को सबसे अधिक परेशानी हुई है। सुबह से ही वाहनों का पेट्रोल भराने के लिए लाइन लगी हुई है। जितना स्टॉक है, उसमें से फर्स्ट कम, फर्स्ट सर्व के आधार पर पेट्रोल और डीजल दिया जा रहा है। वाहन चालक किसी भी स्थिति में पेट्रोल और डीजल भरवाकर ही जाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि उनके पेट्रोल पंप पर हर दूसरे दिन 14,000 लीटर पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति होती है। यह स्टॉक एक दिन में ही खत्म होने के कगार पर है। वसई हाइवे पर स्थित पेट्रोल पंप के मालिक केयूर पारीख ने कहा कि उनके पेट्रोल पंप पर हर दिन 20 हजार लीटर पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति होती है। लेकिन, मंगलवार को कोई टैंकर नहीं आया है। हड़ताल को देखते हुए लोग पैनिक हैं। पेट्रोल पंप को पुलिस सुरक्षा मिली हुई है।

घाटकोपर और अमर महल पर स्थित पेट्रोल पंप के मालिक रवि शिंदे ने कहा कि मंगलवार को पेट्रोल पंप पर स्थिति तनावपूर्ण दिखी। हर कोई अपने वाहनों में पेट्रोल और डीजल भरवा लेना चाहता था। इसकी वजह से स्टॉक में जितना पेट्रोल और डीजल उपलब्ध था, वह खत्म हो गया। सिर्फ ऐम्बुलेंस के लिए 1,000 लीटर पेट्रोल और डीजल का स्टॉक रखा गया है। पेट्रोल पंप पर जो भी ऐम्बुलेंस आ रही थी, उसमें ईंधन भरा जा रहा था।

महानंद डेयरी को गुजरात की अमूल डेयरी में विलीन करने की साजिश?

मुंबई : राज्य के उद्योग और व्यवसाय, हीरा बाजार सहित अन्य उद्योग गुजरात ले जाने के बाद अब महाराष्ट्र की प्रमुख महानंद डेयरी को केंद्र के राष्ट्रीय डेयरी डेवलपर बोर्ड (एनडीडीबी) को देकर गुजरात की अमूल डेयरी में विलीन करने की साजिश रची जा रही है। एक देश, एक ब्रांड नाम के अधीन चलने वाली महानंद डेयरी को अमूल डेयरी के अधीन देने का आरोप किसान सभा ने किया है। महाराष्ट्र राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ (महानंद) की खराब वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए महानंद को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) को सौंपने की कवायद

ने जोर पकड़ लिया है। एनडीडीबी को सौंपने से पहले महानंद के कर्मचारियों की छंटनी की जाएगी। वर्तमान में महानंद में लगभग ९४० कर्मचारी हैं। एनडीडीबी पर वित्तीय बोझ से बचने के लिए कम से कम ४५० कर्मचारियों की कटौती की जाएगी। इस संबंध में डेयरी विकास मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील ने नागपुर विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में एक सवाल के जवाब में उक्त जानकारी दी थी।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक, मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स, ४९६, पंचशील नगर१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं३, तिलक नगर, चेम्बुर, मुंबई४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू), मुंबई४०००८३ से प्रकाशित किया । RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

संपादक सिराज चौधरी मो. ७७७७०६०६८७ www. maharashtracrimes. in / www. maharashtracrimes. blogspot. in Email : editor@maharashtracrimes. in / maharashtracrimes@gmail. com

CMYK